हाथी-घोड़े व गाजे-बाजे के साथ कई गांवों से निकला महावीरी अखाड़ा

थावे। थावे प्रखंड में शुक्रवार के दिन कई पूजा समितियों द्वारा महावीरी अखाड़ा निकाला गया।जिसमे हाथी घोड़े गाजे बाजे के साथ कई गांवों से महावीरी अखाड़े का मिलन थावे बाज़ार और थावे बस स्टैंड पर हुआ।जिसमें उचकागांव थाना के बरारी जगदीश,पाखोपाली, पिपराही व नवादा परसौनी,नगर थाना के भेड़िया एवं थावे थाना के विदेशीटोला, शिवस्थान, बेदुटोला, काला खानपुर, गजाधरटोला, रिखईटोला, चितूटोला और जगमलवा सहित आदि कई गांवों से महावीरी समितियों के अखाड़ा का मिलन थावे बाज़ार व थावे बस स्टैंड पर हुआ। सभी महावीरी अखाड़े मिलन के बाद दुर्गा मंदिर परिसर में जाकर मेला में तब्दील हो गया।अखाड़े के दौरान युवाओं ने लाठी डंडे के साथ शौर्य प्रदर्शन किया।इस दौरान कई प्रकार की झांकिया निकाली गई जो आकर्षण का केन्द्र बनी रही।इस दौरान भगवान श्रीराम और बजरंगबली के जयघोष से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा।वही भेड़िया से हाथी व घोड़े के साथ महावीरी अखाड़ा निकला।इसके साथ ही नम आँखो से दुर्गा माँ की प्रतिमाओ का विसर्जन प्रखंड परिसर के सामने पोखर में कर दिया गया।जिसको लेकर भाड़ी संख्या में पुलिस बल व दंडाधिकारी की तैनाती की गई थी।महावीरी अखाड़े और मां दुर्गा के प्रतिमा विसर्जन के दौरान भीड़ को नियंत्रण के लिए सदर एसडीपीओ चंदन कुमार सर्किल इंस्पेक्टर धर्मवीर प्रसाद थावे थानाध्यक्ष विभा कुमारी,उचकागांव थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार झा व नगर थाना थानाध्यक्ष प्रवीन प्रभाकर के साथ थावे सीओ सुधीर कुमार ओंकारा, बीडीओ प्रियांशी प्रिया,एसआई पवन कुमार,दीपक कुमार सहित महिला पुलिस व काफी संख्या में पुलिस बल व दंडाधिकारी तैनात रहे।

उत्पाद विभाग की छापेमारी, छह शराबी गिरफ्तार

सिधवलिया। महम्मदपुर उत्पाद थाने की टीम ने बरौली थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में छापेमारी कर शराब के नशे में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बलहा गांव के इस्तेयाक आलम,मोहनपुर के दीप नारायण राम, रतनसराय के कुंदन महतो, बरौली के अशोक यादव, दंगसी गांव के सुनील राम और खजुरिया गांव के पंचानंद सिंह के रूप में हुई है।उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर बरौली थाना क्षेत्र में सघन छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान सभी छह लोग शराब के नशे में मिले। सभी आरोपियों के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी कर न्यायालय में भेज दिया गया।

मां दुर्गा की विदाई में आस्था पर भारी पड़ा शोर

विजयीपुर। विजयीपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना, शक्ति की उपासना और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देने के बाद जब विदाई की घड़ी आई, तो विजयीपुर में कुछ विसर्जन जुलूसों के दौरान सामने आए कथित दृश्य उत्सव की गरिमा और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करने लगे। विजयीपुर और मुसहरी बाजार में तेज आवाज वाले डीजे,कथित अश्लील गानों और डांस तथा हंगामे की शिकायतों ने धार्मिक आयोजनों में मनोरंजन की मर्यादा को लेकर बहस छेड़ दी।

जिस उत्सव में श्रद्धा,संयम और संस्कार का संदेश दिया जाना चाहिए था,वहां कथित अश्लील प्रस्तुतियों और सड़क पर हंगामे की चर्चा क्यों होने लगी? सवाल किसी की आस्था पर नहीं,बल्कि उन गतिविधियों और व्यवस्थाओं पर है, जो धार्मिक आयोजनों की गरिमा को प्रभावित कर सकती हैं।'पावर यहीं से शुरू होता है और यहीं खत्म होता है'आखिर किस बात का प्रदर्शन ? विसर्जन के दौरान आर्केस्ट्रा से बार-बार किए जा रहे कथित अनाउंसमें 'पावर यहीं से शुरू होता है और यहीं खत्म होता है'ने लोगों का ध्यान खींचा। इस कथन ने आयोजन के स्वरूप और संदेश को लेकर सवाल खड़े किए। क्या धार्मिक उत्सव में शक्ति का अर्थ तेज आवाज,सड़क पर दबदबा और उत्तेजक मनोरंजन का प्रदर्शन होना चाहिए? मां दुर्गा की शक्ति तो अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, आत्मसंयम और बुराई पर विजय का प्रतीक है। ऐसे में धार्मिक आयोजनों में प्रस्तुतियों की मर्यादा बनाए रखना आयोजकों और प्रशासन, दोनों की जिम्मेदारी है। नशे में पुलिस से उलझने का आरोप,युवक को जेल भेजे जाने की जानकारी,विसर्जन के दौरान एक युवक के कथित तौर पर शराब के नशे में पुलिसकर्मियों से उलझने का मामला भी सामने आया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर एससी/एसटी सहित विभिन्न धाराओं में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर जेल भेज दिया। लेकिन इस कार्रवाई के साथ एक अहम सवाल भी जुड़ा है—क्या केवल घटना के बाद गिरफ्तारी कर देना पर्याप्त है,या ऐसी स्थिति उत्पन्न होने से रोकने के लिए पहले से प्रभावी निगरानी भी जरूरी है? स्थानीय स्तर पर सामने आए घटनाक्रम के अनुसार,आर्केस्ट्रा के दौरान कथित अश्लील प्रस्तुतियों के बीच दो युवकों के ट्रैक्टर-ट्रॉली पर चढ़कर नाचने की बात कही जा रही है। इसी दौरान स्थिति बिगड़ने और पुलिस के साथ हाथापाई तक पहुंचने की चर्चा है। हालांकि,घटनाक्रम के सभी पहलुओं और उनके आपसी संबंधों की पुष्टि आधिकारिक जांच से होना आवश्यक है। यदि आयोजन स्थल पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी,तो उनकी जिम्मेदारी क्या थी? क्या उन्हें कार्यक्रम की प्रकृति,भीड़ के व्यवहार और संभावित तनाव की जानकारी थी? यदि अनुचित गतिविधियां हो रही थीं,तो उन्हें समय रहते रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए? इन सवालों का जवाब सामने आना जरूरी है। किसी युवक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई अपनी जगह है, लेकिन उससे पहले की परिस्थितियों और प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

शांति समिति की बैठकें हुईं,फिर जमीनी स्तर पर निगरानी कैसी रही? त्योहारों से पहले थाना स्तर पर शांति समिति की बैठकें आयोजित की जाती हैं। इन बैठकों का उद्देश्य शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना, जुलूसों को व्यवस्थित करना और पूजा समितियों को नियमों एवं निर्धारित शर्तों की जानकारी देना होता है। ऐसे में सवाल है कि बैठक में तय निर्देशों का पालन कितना हुआ? क्या डीजे और आर्केस्ट्रा के कार्यक्रमों की निगरानी की गई? क्या ध्वनि की तीव्रता, कार्यक्रम के समय और जुलूस के मार्ग पर नियंत्रण रखा गया? यदि नियमों का उल्लंघन हुआ, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि कथित उल्लंघन के मामले में किसी डीजे या आर्केस्ट्रा संचालक के उपकरण जब्त किए गए या नहीं और नियमानुसार कोई कार्रवाई हुई या नहीं। सवाल व्यवस्था से है,किसी एक व्यक्ति या पूरी पूजा समिति को दोषी ठहराने से नहीं। जिम्मेदारी तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर तय होनी चाहिए। सड़क पर भीड़,तेज आवाज और कथित अश्लील गाने—किसकी थी जिम्मेदारी? विजयीपुर और मुसहरी बाजार में विसर्जन के दौरान भीड़,सड़क पर जाम और तेज आवाज वाले डीजे को लेकर सवाल उठे।सार्वजनिक आयोजनों में मनोरंजन की अनुमति और उसकी मर्यादा के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 के तहत लाउडस्पीकर और सार्वजनिक ध्वनि प्रणालियों के इस्तेमाल पर निर्धारित सीमाएं एवं शर्तें लागू होती हैं।

नाबालिग बच्ची से छेड़खानी के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

भोरे। भोरे थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में नाबालिग बच्ची के साथ अश्लील हरकत और छेड़खानी करने का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया है. पीड़िता की मां के लिखित आवेदन पर स्थानीय पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.

घटना 18 अक्टूबर की शाम करीब 5 बजे की बताई जा रही है. पीड़िता की मां द्वारा थाने में दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार, वह किसी आवश्यक कार्य से घर से बाहर गई हुई थीं. घर पर उनकी नाबालिग बच्ची अकेली थी. इसी दौरान गांव का ही मुन्ना सिंह मौके का फायदा उठाकर घर में घुस आया और बच्ची को अकेला पाकर गलत नीयत से उसके साथ छेड़खानी व अशोभनीय हरकत करने लगा.मोबाइल में कैद हुई करतूत,धमकी देकर दबाव बनाने का प्रयास

उसी समय घर में मौजूद परिवार की एक अन्य महिला सदस्य की नजर आरोपी की इस हरकत पर पड़ गई. उन्होंने तत्परता दिखाते हुए अपने मोबाइल फोन में आरोपी की करतूत का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया. जब बच्ची की मां घर लौटी और उन्हें इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी मिली, तो उन्होंने आरोपी से इस संबंध में कड़ा विरोध जताया. इस पर आरोपी मुन्ना सिंह आगबबूला हो गया और उसने परिजनों को जान से मारने की धमकी दे डाली. इतना ही नहीं,आरोपी ने मामले को दबाने और रफा-दफा करने के लिए पैसे लेने का दबाव भी बनाया.पॉक्सो एक्ट में प्राथमिकी दर्ज,आरोपी भेजा गया न्यायिक हिरासत में,आरोपी की धमकियों से भयभीत न होकर पीड़िता की मां ने सीधे भोरे थाने पहुंचकर पूरे मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई. मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित संज्ञान लिया और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं सहित पॉक्सो एक्ट के तहत कांड संख्या 475/26 दर्ज कर ली.पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए नामजद आरोपी मुन्ना सिंह को गिरफ्तार कर लिया है तथा आगे की विधिक कार्रवाई में जुट गई है.

थावे में कड़ी सुरक्षा के बीच सारण शिक्षक निर्वाचन का मतदान संपन्न, 88.3 प्रतिशत पड़े वोट

थावे। थावे प्रखंड मुख्यालय पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मतदान की प्रक्रिया चली। मतदान केंद्र पर निर्धारित समय से ही मतदाताओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। मतदाताओं ने शांतिपूर्ण माहौल में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।निर्वाचन को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।मतदान केंद्र पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। वहीं,संबंधित पदाधिकारी मतदान प्रक्रिया पर लगातार नजर बनाए हुए थे। निर्वाचन को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा।मतदान केंद्र पर मतदाताओं की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार मतदान प्रक्रिया संचालित की गई। थावे प्रखंड में निर्वाचन कार्य के लिए तैनात भोरे बीडीओ मुकेश कुमार ने बताया कि थावे में कुल 88.3 प्रतिशत मतदान हुआ। उन्होंने बताया कि मतदान केंद्र पर कुल 60 मतदाताओं में से 42 पुरुष और 11महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर थानाध्यक्ष विभा कुमारी के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारी और जवान तैनात रहे। प्रशासन की सतर्कता और सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान संपन्न हुआ।

ब्लॉक का मुख्य गेट टूटकर गिरा

गुठनी (सीवान)। प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर का मुख्य गेट शुक्रवार की सुबह खोलने के दौरान टूटकर गिर गया। इसकी चपेट में आने से महिला सफाई कर्मी सह जीविका दीदी गीता देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे में उनका बायां हाथ और बायां पैर टूट गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए सीवान सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार, बिहार विधान परिषद के सारण शिक्षक निर्वाचन के लिए मतदान के दिन शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे गीता देवी अपनी चार अन्य सहयोगी जीविका दीदियों के साथ प्रखंड परिसर की सफाई करने पहुंची थीं। इसी दौरान वह परिसर के मुख्य लोहे के गेट को खोल रही थीं, तभी उसका एक हिस्सा टूटकर उनके ऊपर गिर गया। गीता देवी गेट के नीचे दब गईं। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने गेट हटाकर उन्हें बाहर निकाला और तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सक डॉ. शब्बीर अख्तर ने बताया कि घायल महिला का उपचार किया गया और एक्स-रे जांच में उनका बायां हाथ और बायां पैर टूटा पाया गया। स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें सीवान सदर अस्पताल रेफर किया गया।

घायल गीता देवी गुठनी प्रखंड के हरपुर गांव निवासी मनोज राम की पत्नी हैं। जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधक सुजीत कुमार ने बताया कि विभागीय निर्देश के तहत सागर सीएलएफ की ओर से ब्लॉक परिसर की सफाई के लिए पांच जीविका दीदियों का चयन किया गया है। इनमें गीता देवी के अलावा मीना देवी, मंजू देवी, पिंकी देवी और मधु देवी शामिल हैं।

मां काली को दी गई विदाई

सीवान। जामो बाजार में बुधवार को मां दुर्गा, मां काली सहित अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं का नम आंखों से विसर्जन किया गया।इससे पहले पूजा पंडालों में हवन-पूजन और आरती के बाद भव्य विसर्जन यात्रा निकाली गई। हाथी-घोड़े, बैंड-बाजा और डंका के साथ निकली यात्रा में श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते-थिरकते नजर आए।

रसूलपुर अग्निकांड में झुलसे आठ वर्षीय अनीश की मौत, गांव में पसरा मातम

बड़हरिया (सीवान)। थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव में दुर्गापूजा के दौरान नाटक मंचन के समय हुए अग्निकांड में गंभीर रूप से झुलसे आठ वर्षीय अनीश कुमार की शुक्रवार को अहले सुबह पटना स्थित पीएमसीएच में इलाज के दौरान मौत हो गई। मासूम की मौत की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है।जानकारी के अनुसार, दुर्गापूजा के अवसर पर रसूलपुर गांव में स्थानीय कलाकारों द्वारा 'सत्य हरिश्चंद्र' नाटक का मंचन किया जा रहा था। इसी दौरान भूत भगाने से जुड़े एक हास्य दृश्य के प्रदर्शन में ज्वलनशील पदार्थ का इस्तेमाल किया जा रहा था। तभी अचानक मंच पर आग भड़क उठी और देखते ही देखते लपटें फैल गईं।

हादसे के समय अनीश मंच के पास बैठकर नाटक देख रहा था। आग की चपेट में आने से उसका कमर के ऊपर का करीब 90 प्रतिशत शरीर झुलस गया था। इस घटना में कुछ अन्य युवक और किशोर भी आंशिक रूप से झुलस गए थे।

गंभीर रूप से घायल अनीश को बेहतर इलाज के लिए पटना के पीएमसीएच में भर्ती कराया गया था। गुरुवार को उसकी हालत बिगड़ने पर पिता मुन्ना कुमार सिंह और परिजन उसे अपोलो अस्पताल भी ले गए, लेकिन नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे दोबारा पीएमसीएच लाया गया। चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद शुक्रवार की सुबह उसकी मौत हो गई।

अनीश के पिता मुन्ना कुमार सिंह मूल रूप से मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नूरुद्दीनपुर गांव के निवासी हैं। वह बचपन से ही अपने ननिहाल रसूलपुर में रह रहे थे। अनीश दो भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था तथा गांव के ही एक निजी विद्यालय में पढ़ता था।

प्रथम पृष्ठ का शेष

शिक्षक सीटों पर बंपर...

मतदान हुआ। दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 79 प्रतिशत और तिरहुत में 78.10 प्रतिशत वोट पड़े। पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में मतदान 56.89 प्रतिशत रहा। चारों शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों का कुल अंतरिम मतदान प्रतिशत 74.55 रहा। स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में कोसी 52.51 प्रतिशत मतदान के साथ पहले स्थान पर रहा। तिरहुत में 42.15 प्रतिशत और दरभंगा में 42 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में केवल 36.19 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। इन चारों क्षेत्रों का कुल अंतरिम मतदान प्रतिशत 43.87 रहा। इन चुनावों में चार स्नातक और चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से कुल 150 प्रत्याशी मैदान में थे। इनमें स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के 90 और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के 60 उम्मीदवार शामिल हैं। स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में दरभंगा से सर्वाधिक 40 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। पटना से 18, तिरहुत से 17 और कोसी से 15 उम्मीदवारों ने अपनी किस्मत आजमाई। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में पटना और सारण से 18-18, दरभंगा से 13 और तिरहुत से 11 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे थे। मतदान संपन्न होने के साथ ही सभी उम्मीदवारों का चुनावी भविष्य मतपेटियों में बंद हो गया। निर्वाचन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 4,92,594 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें 3,55,522 पुरुष, 1,37,038 महिला और 34 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल थे। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 40,253 मतदाता थे, जिनमें 30,677 पुरुष, 9,573 महिला और तीन तृतीय लिंग के मतदाता शामिल थे। मतदान के लिए स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में 474 मूल और 124 सहायक मतदान केंद्र बनाए गए थे। इस प्रकार इन क्षेत्रों में कुल 598 मतदान केंद्रों पर व्यवस्था की गई थी। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में 335 मूल मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार, मतदान के दौरान नियंत्रण कक्ष में कुल 13 शिकायतें प्राप्त हुईं। कार्यालय के मुताबिक, इन शिकायतों का समय रहते निष्पादन कर दिया गया। विभाग ने मतदान को शांतिपूर्ण संपन्न होने की जानकारी दी है।

विधान पार्षद चुनाव में छिटपुट...

शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र तथा दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में छिटपुट घटना अर्थात पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में विधान पार्षद नीरज कुमार तथा अनुज सिंह समर्थक अनंत सिंह समर्थकों में भिड़ंत होने की सूचना मिली है। भिड़ंत में किसी अप्रिय घटना की सूचना मतदान के दौरान पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी के कारण कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। वहीं मतदान के बाद दोनों प्रत्याशी को समर्थकों के बीच बयानबाजी शुरू हो गयी है। बड़ी घटना शिक्षक निर्वाचन में भाजपा प्रत्याशी नवल किशोर यादव व राजद प्रत्याशी व उनके समर्थकों के बीच भी झड़प होने की सूचना है।

एक वर्ष में 1.21 लाख करोड़ के...

डोभी में मैन्यूफैक्चरिंग सिटी के पोर्टल का शुभारंभ करेंगे। १६७० एकड़ में बननेवाले बिहार इंटीग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग सिटी गया के वेब पोर्टल के साथ ही परियोजना का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू होगी। देश भर में १४ स्थानों पर इंटीग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग सिटी बनाने की योजना है। विभाग के सचिव कुंदन कुमार ने कहा कि इस परियोजना में विनिर्माण के लिए सभी आधुनिक सुविधायें एक जगह पर मिलेंगे। जिससे यह एक औद्योगिक शहर के तौर पर विकसित होगा।

यूएन में भारत ने पाक को...

इस्लामी रीति-रिवाजों के अनुसार दफनाया था। उनके इस बयान के जरिए भारत ने धार्मिक स्वतंत्रता और मानवीय मूल्यों के मुद्दे पर पाकिस्तान के रुख पर सवाल उठाए।

भारत ने जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान की टिप्पणियों को भी खारिज किया। मंगलानंदन ने कहा कि पाकिस्तान को भारतीय केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर पर ध्यान देने के बजाय अपने कब्जे वाले क्षेत्रों में हो रहे घटनाक्रम पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने रावलाकोट का उल्लेख करते हुए पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के क्षेत्रों की स्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की आबादी घट रही है और उनके अधिकारों का लगातार उल्लंघन हो रहा है। अपने संबोधन के अंत में भाविका मंगलानंदन ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा, %%जो देश अपने ही अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता, उसे भारत को उपदेश देने का कोई अधिकार नहीं है।

भारत के इस बयान में आतंकवाद, धार्मिक स्वतंत्रता, अल्पसंख्यकों के अधिकारों और जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान के रुख को चुनौती दी गई। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद के पीड़ितों के अधिकारों और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा करते समय सभी देशों को अपने आचरण पर भी ध्यान देना चाहिए।

पीएम मोदी ने चिन्मय अमृत महोत्सव...

हूं। यह मेरे लिए बेहद भावुक कर देने वाला अनुभव था। मुझे यह अद्भुत अनुभव देने के लिए मैं चिन्मय मिशन के सभी सदस्यों का तहे दिल से धन्यवाद करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं, 'मुझे आज भी याद है कि उनके साथ मेरी पिछली मुलाकात में हमने कितनी गंभीर चर्चा की थी। उस चर्चा का मुख्य विषय था - युवा शक्ति का निर्माण करना और उसके जरिए एक मजबूत और सक्षम भारत बनाना। उनसे मिलने के कुछ साल बाद, लोगों ने मुझे गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर दिया। तब से लेकर पिछले 25 वर्षों तक, मैंने सरकार के मुखिया के तौर पर अपनी पूरी क्षमता से देश की सेवा की है। इस पूरे सफर में गुरुदेव का आशीर्वाद मेरे साथ रहा है।'

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, 'जब देश ने अपनी आजादी के 75 साल पूरे किए, तो मैंने सोचा कि हमें इस अवसर को न केवल 'विकसित भारत' के विजन को प्रेरित करने का एक मंच बनाना चाहिए, बल्कि भारत की उस भावना को भी जीवंत करना चाहिए जो अमर विचारों के साथ जीना जानती है, और हजारों वर्षों के अपने अनुभव के आधार पर, आने वाली पीढ़ियों के लिए पूरी मानवता की चिंता कर सकती है।' क्या है चिन्मय अमृत महोत्सव ग्लोबल सम्मेलन?

बता दें कि 23 से 25 अक्तूबर 2026 तक आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय सम्मेलन में भारत और विदेशों से 9,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे। यह आयोजन 'चिन्मय मिशन' के 75 वर्षों के उपलक्ष्य में साल भर चलने वाले समारोहों का समापन है। चिन्मय मिशन एक वैश्विक आध्यात्मिक आंदोलन है, जिसकी स्थापना 1951 में स्वामी चिन्मयानंद ने की थी, ताकि वेदांत और भगवद गीता का ज्ञान सभी तक पहुंचाया जा सके। पिछले कुछ दशकों में, इस मिशन ने आध्यात्मिक शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण, युवा सशक्तिकरण और सामुदायिक सेवा के क्षेत्रों में अपने कार्यों का विस्तार किया है।

खरगे ने मोदी सरकार से पूछे...

के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए, खरगे ने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक की उन टिप्पणियों का जिक्र किया, जो अरुणाचल प्रदेश में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के साथ हुई झड़पों से जुड़ी थीं।

खरगे ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि अरुणाचल प्रदेश में पीएलए के साथ लगातार हो रहे टकराव की आईटीबीपी डीजी की ओर से पुष्टि बेहद चिंताजनक है। डोकलाम और गलवान के बाद, क्या कोई और गंभीर टकराव शुरू हो रहा है? अगस्त में तक्सिंग के पास चीनी घुसपैठ की खबरें सामने आई थीं। फिर भी, वाचा-दमाई में कोर कमांडर स्तर की बातचीत के 47 दिन बाद भी - जो कि कथित तौर पर यहां से सिर्फ 180 किमी दूर है - टकराव जारी है। क्या भारत की पेट्रोलिंग (गश्त) करने की पहुंच प्रभावित हुई है? उन्होंने जोर देकर कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और पूछा कि देश को इस बारे में अंधेरे में क्यों रखा जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे पर भी गहरी चिंता जताई और 2020 की गलवान घाटी झड़प के बाद सरकार के आर्थिक रुख पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि गलवान में भारतीय सेना के 20 बहादुर जवानों की शहादत के बाद से, चीन से आयात में 102 फीसदी की भारी वृद्धि हुई है, जबकि चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 155 फीसदी बढ़कर 112.16 अरब डॉलर हो गया है। यहां तक कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी मानती हैं कि चीन भारतीय निर्यात में बाधा डालता है। इसके बावजूद, सरकार चीनी निवेश पर लगी पाबंदियों में ढील दे रही है और चीन से जुड़ी पात्र कंपनियों को पीएलआई (प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव) का लाभ देने पर विचार कर रही है। क्या 'मेक इन इंडिया' अब 'इंपोर्ट फ्रॉम चाइना' (चीन से आयात) बन गया है?

राजनयिक मुलाकातों पर सवाल उठाते हुए, खरगे ने पूछा कि पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच हुई कई द्विपक्षीय वार्ताओं का ज़मीनी स्तर पर क्या नतीजा निकला है। खरगे ने पूछा कि मोदी और शी के बीच कम से कम 23 मुलाकातें और बातचीत हुईं, एनएसए अजीत डोभाल के साथ विशेष प्रतिनिधियों के 25 दौर की वार्ताएं हुईं, डब्लूएमसीसी की 36 बैठकें हुईं, और लगातार एससीओ और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन हुए। इन मुलाकातों से क्या ठोस परिणाम निकले? क्या मई 2020 से पहले भारत को हासिल गश्त (पेट्रोलिंग) करने के अधिकार पूरी तरह बहाल हो गए हैं?

सशस्त्र बलों पर अपनी पार्टी का भरोसा जताते हुए, खरगे ने सरकार की राजनयिक कोशिशों पर तंज कसा और कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा को केवल दिखावे के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।खरगे ने आगे कहा कि हमें अपने सशस्त्र बलों पर पूरा भरोसा है। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जवाबदेही जरूरी है, न कि राजनयिक फोटो-ऑप्स (दिखावे की तस्वीरें) या 'हगप्लोमेसी' (गले मिलने वाली कूटनीति)! विपक्ष पर हमला करने के बजाय, प्रधानमंत्री मोदी को संसद और देश को विश्वास में लेना चाहिए।

चुनाव मुख्यालय की ओर...

सुनिश्चित करेंगे कि लोकतंत्र की यह भावना हमेशा जीवित रहे. न्यूज एजेंसी पीटीआई से प्रदर्शनकारी ने कहा है कि यह सिर्फ जंतर-मंतर वापस पाने की लड़ाई है. यह लोकतंत्र और देश बचाने की लड़ाई है.

इससे पहले पीपल अगेंस्ट एसआईआर ने एक वेबसाइट भी लॉन्च की है. इस पर अलग-अलग शहरों में होने वाले विरोध प्रदर्शनों के बारे में जानकारी दी गई है. इस ग्रुप के मुताबिक, 18 राज्यों के 88 शहरों में विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई गई है. इसमें 145 संगठन शामिल हैं. इस अभियान के तहत ग्रुप 1 नवंबर तक कई कार्यक्रम आयोजित करेगा. इधर, प्रदर्शन को देखते हुए, दिल्ली पुलिसने मध्य दिल्ली में सुरक्षा कड़ी कर दी है. दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्सन फोर्स के जवानों को बड़ी संख्या में तैनात किया गया है.

ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं...

को रद्द करने की मांग कर रहे हैं. उनका कहना है कि एसआईआर की मदद से बीजेपी को आयोग जीत में मदद कर रहा है. पिछले दिनों पीएम मोदी ने एक कार्यक्रम में विपक्षी दलों के आंदोलनों को लेकर बड़ा हमला किया था. उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि साल भर में हमारे श्रीहरिकोटा से उतनी लॉन्चिंग नहीं होतीं, जितनी एक साल में कांग्रेस के लोग अपने नेता को लॉन्च करने की विफल कोशिश कर लेते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज जब दुनिया में इतनी अव्यवस्था है, तो एक मजबूत भारत की तस्वीर दुनिया में जानी चाहिए. लेकिन ये लोग भारत की प्रतिष्ठा को मिट्टी में मिलाने पर तुले हुए हैं. ये लोग विदेशों में जा-जाकर भारत को बदनाम करते हैं. विदेशियों से दखल की अर्जी लगाते हैं. पता नहीं कब तक कांग्रेस अपने फेल्ड प्रोडक्ट की लॉन्चिंग के लिए देश को दांव पर लगाती रहेगी.

सीवान में पटाखा बनाते समय...

जांच के बाद ही मृतकों की वास्तविक संख्या स्पष्ट हो सकेगी। ग्रामीणों के अनुसार, शुक्रवार शाम करीब साढ़े पांच बजे घर के अंदर रोजाना की तरह पटाखे बनाए जा रहे थे। इसी दौरान अचानक आग लग गई और पटाखों में लगातार विस्फोट होने लगे। तेज धमाकों से पूरा गांव दहल उठा। घटना के बाद लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। शुरुआत में किसी को धमाके की सही जगह का पता नहीं चल सका। बाद में जानकारी मिली कि विस्फोट अमीरुद्दीन के मकान में हुआ है। विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि मकान का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और कुछ शव बुरी तरह क्षत-विक्षत अवस्था में बाहर जा गिरे। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। प्रशासन और बचाव दल मलबे में दबे लोगों की तलाश में जुटे हैं।

11 साल में एक फूटी कौड़ी...

ने बर्लिन ग्लोबल डायलॉग में एक गोलमेज चर्चा के दौरान जलवायु फंड का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि 2015 में पेरिस जलवायु सम्मेलन के दौरान विकसित देशों ने विकासशील और कम विकसित देशों की मदद करने की प्रतिबद्धता जताई थी। इसके तहत हर साल 100 अरब डॉलर की जलवायु सहायता जुटाने का लक्ष्य रखा गया था। गोयल के मुताबिक, इस वादे को किए 11 साल बीत चुके हैं, लेकिन विकासशील देशों को इसका लाभ नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि ये प्रतिबद्धताएं सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई हैं। उन्होंने यूरोपीय संघ और उसके कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म को लेकर भी सवाल उठाए।पीयूष गोयल ने भारत और यूरोप के बीच आबादी तथा कार्बन उत्सर्जन के अंतर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की करीब 17त्न आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में उसका योगदान 3त्न से भी कम है। उन्होंने यह भी कहा कि यूरोप में प्रति व्य